नीट पेपर लीक होने के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

भोपाल, 12 मई . राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) रद्द होने और कथित पेपर लीक के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने मंगलवार को भोपाल में प्रदर्शन किया.

प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप जोशी के पुतले दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया. प्रदर्शन का नेतृत्व मध्यप्रदेश एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्राएं और

नीट अभ्यर्थी शामिल हुए.

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि देशभर में हर वर्ष लगभग 30 लाख विद्यार्थी मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन लगातार पेपर लीक और परीक्षा निरस्तीकरण की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य संकट में पड़ रहा है. छात्रों ने कहा कि बार-बार होने वाले पेपर लीक से मेधावी अभ्यर्थियों का मनोबल टूट रहा है और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं.

सभा को संबोधित करते हुए रवि परमार ने कहा कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी नीट परीक्षा पेपर लीक के आरोपों से घिर गई है, जिससे लाखों विद्यार्थियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है. उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक समिति गठित करने की मांग की.

एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि 'शिक्षा माफिया' धनाढ्य अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए लगातार पेपर लीक करवा रहा है. उन्होंने कहा कि परीक्षा निरस्त होने से विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है, जो पूरे वर्ष मेहनत करते हैं. प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष लकी चौबे, अमित हटिया, अनिमेष गोंडली, एनएसयूआई कार्यकर्ता, कोचिंग छात्र और पुलिसकर्मी मौजूद रहे.

परीक्षा रद्द करना महत्वपूर्ण निर्णय : अभाविप

भोपाल, 12 मई. नीट-यूजी 2026 परीक्षा में सामने आए कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के बाद सरकार ने परीक्षी को रद्द कर दिया है. इसे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विद्यार्थियों के हित में बताया है. अभाविप के अनुसार प्रकरण की जांच, केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई को सौंपना एक उचित एवं आवश्यक कदम है. जहां एक तरफ परिषद ने शुरू से ही इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच का मुद्दा उठाया है. वहीं सीबीआई जांच के दौरान जो भी साक्ष्य, नेटवर्क और दोषी व्यक्तियों की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए. ताकि वर्षों से राष्ट्रीय परीक्षाओं में सक्रिय शिक्षा-माफिया और भ्रष्ट तंत्र का पूर्ण रूप से भंडाफोड़ हो सके. अभाविप ने मांग की है कि देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए और सभी दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए. अभाविप का कहना है कि वर्षभर कठिन मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ बार-बार इस प्रकार की घटनाएं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं विश्वासघातपूर्ण है. ऐसे में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए एनटीए के महानिदेशक को तत्काल अपने पद से त्यागपत्र देना चाहिए.

मध्यप्रदेश के 6 जिलों में लू का अलर्ट जारी

कई हिस्सों में तेज हवाओं की संभावना

भोपाल, 12 मई. मध्यप्रदेश में आंधी और बारिश का दौर थमते ही भीषण गर्मी ने तेजी से वापसी कर ली है. पिछले कई दिनों तक मौसम में नरमी के बाद अब प्रदेश के अधिकांश हिस्से तेज धूप और गर्म हवाओं की चपेट में हैं.

रतलाम में तापमान 45 डिग्री को भी पार कर गया है. मंगलवार दूसरे दिन भी 45.6 डिग्री दर्ज किया गया जिससे जनजीवन प्रभावित रहा. मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में उज्जैन, धार, अलीराजपुर, बड़वानी, रतलाम

और झाबुआ जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया है. मौसम केंद्र के अनुसार अगले चार दिनों तक इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में गर्म हवाओं का असर बना रहेगा. इन क्षेत्रों में तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है. खासतौर पर रतलाम, मंदसौर और नीमच जिलों में भीषण गर्मी लोगों को ज्यादा परेशान करेगी. राजधानी भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर समेत करीब 49 जिलों में दिनभर तेज धूप और लू जैसे हालात बने रहने की संभावना जताई गई है.

> रतलाम में 45 डिग्री, शाजापुर में 44.2 डिग्री, धार में 44 डिग्री और इंदौर में 43.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया. वहीं उज्जैन में 43 डिग्री, खरगोन में 42.6 डिग्री और भोपाल में 41.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ. मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ और ट्रफ लाइन का असर कमजोर पड़ने के बाद गर्मी ने अचानक रफ्तार पकड़ी है. दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ रहा है. कई शहरों में न्यूनतम तापमान 25 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे लोगों को रात में भी राहत नहीं मिल रही.

डीजल, पेट्रोल के अनावश्यक खर्च से बचें : खण्डेलवाल

भोपाल, 12 मई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई अपील मध्यप्रदेश में भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनती जा रही है. मोदी ने लोगों से ईंधन बचाने और अनावश्यक उपयोग को कम करने की अपील की है.

इस बीच मंगलवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भी प्रधानमंत्री की इस अपील का अनुसरण करने की बात कही है. उन्होंने कहा कि पीएम की ये बात केवल एक अपील की तरह नहीं बल्कि इसे अपनी जिम्मेदारी की तरह हम सबको लेनी चाहिये. खंडेलवाल ने निगम मंडलों के अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं से, विशेषकर, जो शपथ लेने वाले हैं,

से इस संबंध में अनुरोध किया है. उन्होंने नागरिकों से भी सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है. उन्होंने मीडिया से कहा कि वे पेट्रोल डीजल का कम उपयोग करने का समर्थन करते हैं. निगम अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ता इससे जुड़ें और अपनी सहभागिता दें.

ई-रिक्शा से पदभार ग्रहण करने पहुंचे सत्येन्द्र भूषण

पीएम मोदी की सलाह का प्रदेश में भी असर शुरू

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 12 मई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीजल-पेट्रोल की खपत कम करने और परिवहन के लिए सार्वजनिक सेवा का ज्यादा उपयोग करने सहित अन्य सलाह दी है और इसका असर इस राज्य में भी दिखने लगा है.

मंगलवार को सत्येंद्र भूषण सिंह मप्र लघु उद्योग निगम लिमिटेड के अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण करने के लिए ई-रिक्शा से न्यू मार्केट स्थित निगम के कार्यालय पहुंचे. मंगलवार को पदभार ग्रहण किया. पहले तो वे अवधपुरी स्थित आवास से प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे. हांलाकि उनके साथ समर्थकों का हुजूम भी था, जो कि दो पहिया वाहन और कारों में सवार थे. शपथग्रहण के दौरान सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री

प्रतिमा बागरी और विधायक भोपाल दक्षिण पश्चिम भगवान दास सबनानी सहित पार्टी पदाधिकारी, संगठन के कार्यकर्ता तथा आयुक्त एमएसएमई दिलीप कुमार उपस्थित थे. अध्यक्ष सिंह ने इस दौरान कहा कि मप्र लघु उद्योग निगम केवल एक उपक्रम नहीं, बल्कि लाखों कारीगरों, शिल्पकारों और उद्यमियों के सपनों का मंच है. विधायक भगवान दास सबनानी ने भी ई- रिक्शा का उपयोग शुरू कर दिया है. मंगलवार को वे भी सत्येन्द्र भूषण सिंह के पदभार ग्रहण समारोह में ई- रिक्शा से ही पहुंचे.

> **प्रद्युम्न सिंह स्कूटी में बैठकर पहुंचे मंत्रालय**
>
> इधर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर पहले मंत्री बन गए हैं, जिन्होंने पीएम मोदी की अपील पर तत्काल अमल करना शुरू कर दिया है. वे मंगलवार को इलेक्ट्रिक स्कूटी में बैठकर मंत्रालय पहुंचे. वे पीछे की सीट पर बैठे थे. साथ ही हेलमेटी भी पहन रखा था. ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत करते हैं और उनकी अपील का अनुसरण करते हुए इसका पालन कर रहे हैं. उनका कहना है कि वह सभी से अपील करेंगे कि वह भी पेट्रोल डीजल का कम से कम इस्तेमाल करें और अत्याधिक आवश्यकता होने पर ही डीजल-पेट्रोल वाहनों का उपयोग करें. तोमर ने कहा कि इससे विदेशों पर हमारी निर्भरता कम होगी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा. उन्होंने कहा कि अपनी विधानसभा में भ्रमण के दौरान भी वह इलैक्ट्रिक दोपहिया वाहन का ही इस्तेमाल करेंगे.

अब तक 1 करोड़ 84 लाख मकानों की गणना पूरी

रायसेन ने सबसे पहले पूरा किया फील्ड कार्य

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 12 मई. राज्य में जनगणना कार्य के लिए 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं. इनमें प्रगणकों द्वारा व्यवस्थित रूप से जानकारी एकत्रित की जा रही है.

मंगलवार तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1 करोड़ 84 लाख 92 हजार 860 मकानों की गणना पूर्ण की जा चुकी है. रायसेन जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य पूर्ण कर लिया गया है. सचिव, गृह विभाग एवं नोडल अधिकारी जनगणना श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है.

प्रदेश में एक मई से प्रारंभ हुआ यह फील्ड कार्य 30 मई तक संचालित किया जाएगा. इस अभियान में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है.

प्रहलाद ने नसमस्याओं का किया समाधान

भोपाल. प्रदेश के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया. पटेल ने उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया. जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया.

पुणे में चल रहा नॉन इंटरलॉकिंग कार्य

भोपाल, 12 मई . मध्य रेलवे के पुणे मंडल में दौंड-मनमाड दोहरीकरण परियोजना के तहत 16 से 18 मई तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा. इस कार्य के चलते भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें निरस्त और कुछ ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है.

रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 01415 पुणे-गोरखपुर स्पेशल, 01416 गोरखपुर-हडपसर स्पेशल, 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल, 01450 दानापुर-हडपसर स्पेशल, 01924 वीरांगना रानी लक्ष्मी बाई झांसी-हडपसर

स्पेशल, 01923 हडपसर-झांसी स्पेशल, 02132 जबलपुर-पुणे स्पेशल तथा 02131 पुणे-जबलपुर स्पेशल निर्धारित तिथियों में निरस्त रहेंगी.

इसके अलावा कई ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है. इनमें इंडियन रेलवे की 12630 हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर एक्सप्रेस, 17323 हुबली-बनारस एक्सप्रेस, 12627 बेंगलुरु सिटी-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 11078 जम्मूतवी-पुणे एक्सप्रेस, 20657 हुब्बल्ली-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस और 22589 बनारस-हडपसर एक्सप्रेस सहित कई गाड़ियां परिवर्तित मार्ग से संचालित होंगी.

> सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि मार्ग परिवर्तन के कारण कुछ स्टेशनों पर ट्रेनों के नियमित ठहराव प्रभावित हो सकते हैं. यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा शुरू करने से पहले एनटीईएस, रेलवे पूछताछ सेवा या नजदीकी रेलवे स्टेशन से ट्रेन की अद्यतन जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें.

वन्य जीव संरक्षण के रूप में उभरा एमपी

वन्य जीवों के संरक्षण को दिया जन आंदोलन का स्वरूप

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 12 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने वन और वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाई है. राज्य सरकार ने वन्य जीवों के संरक्षण को केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं माना.

सरकार ने इसे विकास, पर्यटन, स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक चेतना और सामुदायिक सहभागिता से जोड़कर व्यापक जन आंदोलन का स्वरूप दिया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरगामी सोच से मप्र आज टाइगर स्टेट के साथ ही देश के सबसे व्यापक और वैज्ञानिक वन्य जीव संरक्षण मॉडल के रूप में उभरा है.

मुख्यमंत्री का विजन है कि प्रदेश के वन और नदियां केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं. मप्र के वन देश की कई प्रमुख नदियों का मायका हैं. इस तरह ये वन कई राज्यों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं. इसी सोच के साथ राज्य सरकार जलवायु अनुकूल, विज्ञान आधारित और समुदाय केंद्रित वन प्रबंधन मॉडल को आगे बढ़ा रही है.

कूनो बना ग्लोबल प्रयोगशाला

श्योपुर का कूनो नेशनल पार्क आज विश्व स्तर पर वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक बन चुका है. पीएम नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुए प्रोजेक्ट चीता को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोत्सवाना से लाई गई मादा चीतों को खुले जंगल में छोड़कर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाया. वर्तमान में कूनो में चीतों की संख्या 57 तक पहुंच चुकी है. एक शताब्दी पूर्व लुप्त हो चुके चीतों की देश में सफल पुनर्स्थापना ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि वैज्ञानिक प्रबंधन और राजनीतिक प्रतिबद्धता के बल पर विलुप्त प्रजातियों का पुनर्वास संभव है. मप्र में चीतों साथ ही लुप्त हो चुकी जंगली भैंसा प्रजाति को भी कान्हा की घास-भूमि में आबाद किया जा रहा है.

ठगी गिरोहों का पर्दाफाश

विशेष संवाददाता

भोपाल, 12 मई . मध्यप्रदेश पुलिस ने मंदसौर और राजगढ़ जिलों में ठगी के दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस ने संगठित तरीके से आम लोगों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों का पर्दाफाश किया है. मंदसौर जिले में पुलिस ने ऐसे गिरोह का खुलासा किया, जो तंत्र-मंत्र और कथित चमत्कारों के जरिए लोगों को 'रुपये दोगुने' करने तथा 'नोटों की बारिश' कराने का झांसा देकर ठगी करता था. आरोपी स्वयं को बाबा और तांत्रिक बताकर लोगों में भय पैदा करते थे तथा विश्वास जमाने के लिए नाटकीय घटनाओं का सहारा लेते थे. पुलिस के अनुसार गिरोह ने फर्जी मौत का नाटक रचकर भी लोगों से रकम ऐंठी. इस संगठित ठगी के जरिए आरोपियों ने पांच लाख रुपये से अधिक की वसूली की.

ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी ने पेश की जल संरक्षण की मिसाल

भोपाल. देवास जिले में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी ने जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय पहल करते हुए प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया. पंचायत देवास अंतर्गत ग्राम पंचायत मोरूखेड़ी में जनभागीदारी से पंचायत क्षेत्र की पहाड़ी पर कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य किया गया है. एक हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 350 कंटूर ट्रेंच बनाई गई हैं, जिनके माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 13 लाख लीटर वर्षा जल का संचयन किया जा सकेगा. इसके अलावा ग्राम पंचायत में तीन पेरकोलेशन टैंक, दो डगवेल, पांच रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, एक बोरिंग रिचार्ज एवं दो चेक डेम का निर्माण भी किया गया है. इन संरचनाओं से लगभग सात लाख लीटर अतिरिक्त जल संचयन होने का अनुमान है.

आरोप | केन-बेतवा परियोजना स्थल पर प्रभावित विस्थापित आदिवासी, किसान के आंदोलन का किया दौरा

आंदोलनरत आदिवासियों से मिले जीतू पटवारी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 12 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को छतरपुर जिले के ढोढन बांध निर्माण स्थल पर केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित विस्थापित आदिवासी एवं किसान परिवारों के आंदोलन स्थल का दौरा किया.

इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार पर प्रभावित परिवारों के अधिकारों की अनदेखी करने और लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का आरोप लगाया. भारी पुलिस बंदोबस्त और प्रशासनिक रोक-टोक के बावजूद पटवारी वरिष्ठ

कांग्रेस नेताओं के साथ आंदोलनरत परिवारों तक पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं. बताया गया कि प्रशासन ने वन क्षेत्र में प्रवेश रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी. वन विभाग के अधिकारियों ने यह तर्क दिया कि उनके दौरे से क्षेत्र के वन्यजीव प्रभावित हो सकते हैं.

प्रशासन के इस रवैये पर सवाल उठाते हुए पटवारी ने कहा कि जहां एक ओर परियोजना स्थल पर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य, भारी मशीनों का संचालन और सैकड़ों मजदूर लगातार काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विपक्षी नेताओं को पीड़ित आदिवासी परिवारों से मिलने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण कदम है. उन्होंने आंदोलन को केवल जमीन का मुद्दा न बताते हुए जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और सम्मान की लड़ाई करार दिया. पटवारी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को न्याय, उचित मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास दिलाने में विफल रही है. उन्होंने कहा कि संविधान और प्राकृतिक न्याय की भावना के अनुसार जिन परिवारों की जमीन और जंगल छीने जा रहे हैं.

> पटवारी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के निर्देश पर उनकी यात्रा रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया. उन्होंने प्रशासन के उस तर्क की भी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि उनके दौरे से बाघ, तेंदुए और हाथी प्रभावित हो सकते हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आदिवासियों, किसानों और विस्थापित परिवारों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14